पाठ ४
पद (मीरा)
STUDY NOTES

MIND MAP

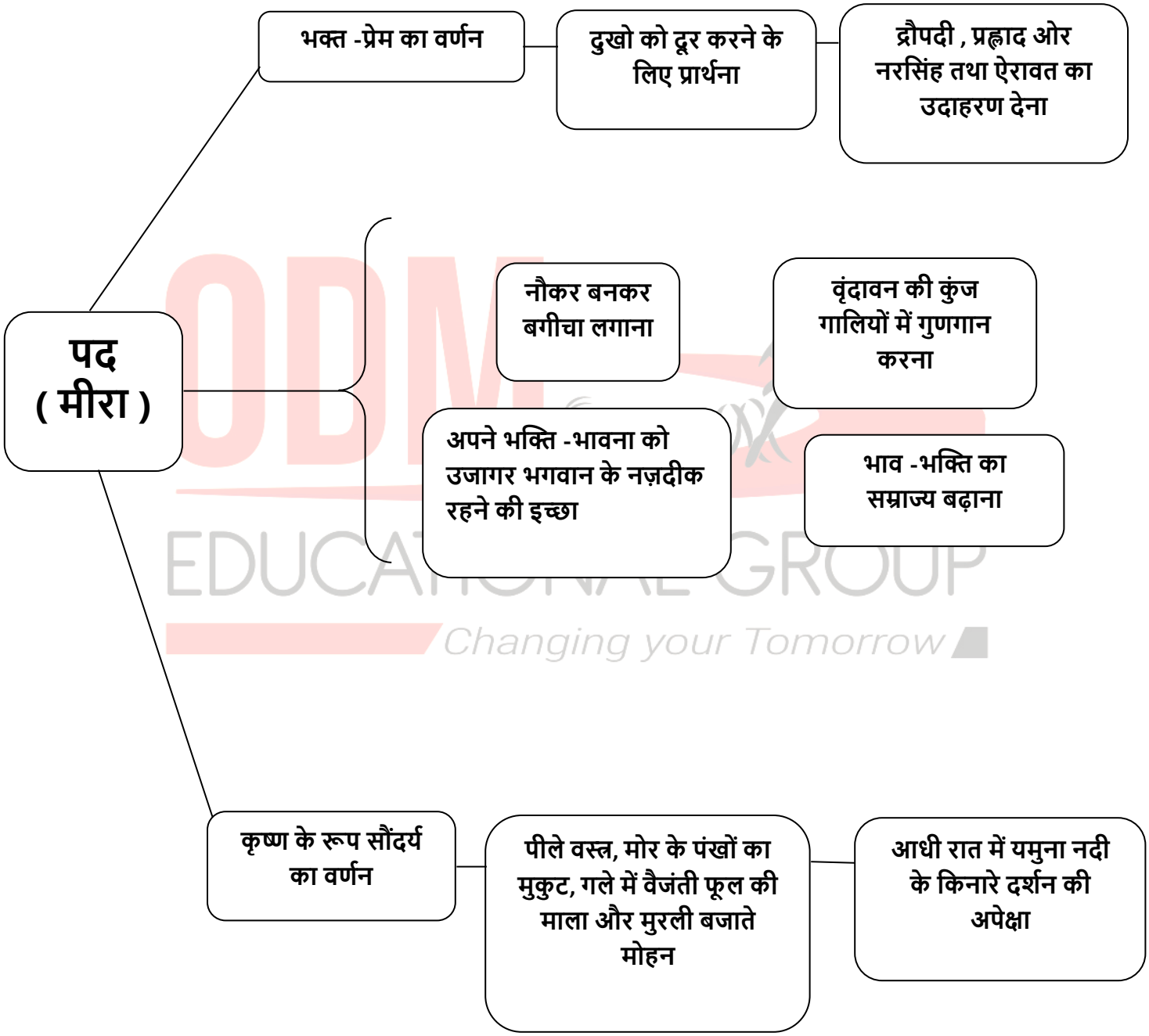

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ ४
पद (मीरा)

STUDY NOTES

पाठ प्रवेश

लोक कथाओं के अनुसार अपने जीवन में आए कठिन दुखों से मुक्ति पाने के लिए मीरा घर - परिवार छोड़ कर वृंदावन में जा बसी थी और कृष्ण प्रेम में लीन हो गई थी। इनकी रचनाओं में इनके आराध्य (कृष्ण) कहीं निर्गुण निराकार ब्रह्मा अर्थात जिसका कोई रूप आकार न हो ऐसे प्रभु , कहीं सगुण साकार गोपी वल्लभ श्रीकृष्ण और कहीं निर्मोही परदेसी जोगी अर्थात जिसे किसी की परवाह नहीं ऐसे संत के रूप में दिखाई देते हैं। प्रस्तुत पाठ में संकलित दोनों पद मीरा के इन्हीं आराध्य अर्थात श्रीकृष्ण को समर्पित हैं। मीरा अपने प्रभु की झूठी प्रशंसा भी करती है ,प्यार भी करती हैं और अवसर आने पर डांटने से भी नहीं डरती। श्रीकृष्ण की शक्तियों व सामर्थ्य का गुणगान भी करती हैं और उनको उनके कर्तव्य भी याद दिलाती हैं।

संबंधित प्रश्न –

१. मीरा किस कारण वृंदावन में जा बसी थी?

२. मीरा का आराध्य कौन हैं?

३. मीरा अपने प्रभु से क्या-क्या करती है?

४. वाक्य बनाइए -

निराकार , सामर्थ्य

१ सामान्य उद्देश्य :

१) छात्रों में काव्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

२) छात्रों को कविता वाचन का अभ्यास कराना ।

३) छात्रों में भाव तथा सौंदर्य का विकास करना ।

४) छात्रों को इष्ट देवता के प्रति भक्ति भावना उत्पन्न कराना।

२ विशिष्ट उद्देश्य :

१) छात्र काव्य के भावों को बोधगम्य करके अपने शब्दों में प्रस्तुत कर सकेंगे ।

२) छात्र प्रिय भगवान के प्रति भक्ति से रहने का प्रयास करेंगे ।

३) छात्र भाव – सौंदर्य और शिल्प सौंदर्य को समझ सकेंगे ।

४) छात्र मीरा की अनन्य भक्ति-भावना गोविंद के प्रति ग्रहण कर सकेंगे ।

पाठ सार

इन पदों में मीरा बाई श्री कृष्ण का भक्तों के प्रति प्रेम और अपना श्री कृष्ण के प्रति भक्ति - भाव का वर्णन करती है। पहले पद में मीरा श्री कृष्ण से कहती हैं कि जिस प्रकार आपने द्रौपदी,प्रह्लाद और ऐरावत के दुखों को दूर किया था उसी तरह मेरे भी सारे दुखों का नाश कर दो।

दूसरे पद में मीरा श्री कृष्ण के दर्शन का एक भी मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहती , वह श्री कृष्ण की दासी बनाने को तैयार है ,बाग़ - बगीचे लगाने को भी तैयार है ,गली-गली में श्री कृष्ण की लीलाओं का बखान भी करना चाहती है ,ऊँचे-ऊँचे महल भी बनाना चाहती है , ताकि दर्शन का एक भी मौका न चुके।

श्री कृष्ण के मन मोहक रूप का वर्णन भी किया है और मीरा कृष्ण के दर्शन के लिए इतनी व्याकुल है की आधी रात को ही कृष्ण को दर्शन देने के लिए बुला रही है।